आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ।।

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य ▸ 5 वर्ष ▸13 अंक ▸167 मुद्रण तारीख ▸1 नवम्बर, 2025 कुल पृष्ठ ▸20

दुर्गाष्टमी पर
पूजित दिव्यांग बालिका

Narayan Children Academy
A Unit of Narayan Seva Sansthan

20 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	2,20,000/-
5 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	55,000/-
1 एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-

Donate via UPI
narayanseva@sbi
www.nca.org.in

CONTENTS

इस माह में

नेहा की नई उड़ान — 06

कूल्हे तक कृत्रिम पांव से अजय गतिमान — 08

दुर्गाष्टमी पर दिव्यांग कन्या पूजन — 09

टूटे सपने जुड़े , लौटा आत्मविश्वास — 10

बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचे मदद के हाथ — 13

एनसीए में गुरुजन सम्मान — 14

सेवा सौभाग्य

मूल्य ▶ 5 वर्ष ▶ 13
अंक ▶ 167 कुल पृष्ठ ▶ 20

मुद्रण तारीख ▶ 1 नवम्बर, 2025

सम्पादक मंडल

मार्ग दर्शक ▶ कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक ▶ प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग ▶ विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर ▶ विरेन्द्र सिंह राठौड़

सम्पर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva
Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

483, 'सेवाधाम' सेवा नगर
हिरण मगरी, सेक्टर-4,
उदयपुर (राज.) 313002, भारत
फोन नं. +91-294-6622222
वाट्सएप: +91-7023509999
Web ▶ www.spdtrust.org
E-mail ▶ info@spdtrust.org

Seva Soubhagya
Print Date 1 November, 2025
Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404
Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur -313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

सेवा और सकारात्मकता ही परमानंद

किसी व्यक्ति को अपने काम में सफलता मिलने से जो प्रसन्नता होती है, उससे उसकी सारी थकान तुरन्त विलीन हो जाती है। यह खुशी ही तो परमानंद है। इसके लिए सकारात्मक चिंतन और परमार्थ आवश्यक है।

हर काम को करने का एक तरीका होता है। काम के तरीके में ही सफलता निहीत है। इसलिए उसमें अनुशासन और सोच–विचार बहुत जरूरी है। मन को उसी दिशा में केंद्रित करना है जो सफलता को तय करेगी। यही आत्मानुशासन, आत्म नियंत्रण है। इसका उद्‌भव हमारे मन से ही होता है, क्योंकि सफलता–असफलता, जय–पराजय सब वहीं से उत्पन्न होते हैं। अनुशासन व्यक्ति के लिए ऊर्जा यानी शक्ति का प्रमुख स्त्रोत है। यहीं से सकारात्मकता प्राप्त होगी जो हमारे द्वारा सम्पादित कार्य की सफलता को सुनिश्चित करेगी। कार्य के दौरान कभी प्रयासों में कमी, कभी मन के विचलन से तो कभी संसाधनों की कमी से भी विफलता मिलती है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सफलता के सारे द्वार ही बन्द हो जाते हैं। सफलता अथवा जीत का रास्ता विफलता या पराजय से भी निकलता है। यह हार भौतिक होती है, आत्मिक नहीं । मन की हार नहीं होनी चाहिए। इसीलिए आत्म–नियंत्रण पर जोर दिया जाता है। संत कबीर ने कहा भी है– 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत'। जब मन हार मान लेता है तो सारे संघर्ष ही खत्म हो जाते हैं और हम हाथ बांध कर बैठ जाते हैं। आगे का रास्ता खुद बंद कर देते हैं। जिस दिन हमें यह समझ में आ जाएगा कि हमारे मन की सकारात्मकता ही हमारा ईश्वरत्व है, उसी दिन हम पूर्णकाम होंगे और सफलता के द्वार खुल जाएंगे। हमारी वर्तमान दुविधा का सबसे बड़ा कारण मात्र भौतिक विकास पर अनुचित जोर है। उसका पीछा करने में हम इतना खो गए हैं कि आधारभूत मानवीय आवश्यकताओं – प्रेम दया, परोपकार सहयोग, सद्‌भाव और सहानुभूति को पोषित करना ही भूल बैठे। जिससे जीवन में सिर्फ सन्नाटा है– आनंद और परमानंद तो बहुत पीछे छूट गया।

सफलता सकारात्मक सोच पर निर्भर करती है। जीवन की सार्थकता भी इसी में है। इस सम्बंध में एक प्रसंग इस प्रकार है –एक सूखा वृक्ष खड़ा था। ठूंठ था वह, लोग अब उसे काटने की तैयारी में थे। ठूंठ ने लोगों पर कृतघ्नता का आरोप लगाते हुए कहा– 'ये ही हैं वे लोग, जो मेरी छाया में फल–सम्पदा का भरपूर लाभ उठाते थे। अब, जब कि मैं सूख गया हूँ, तो इन्हें मेरा अस्तित्व में बने रहना भी खटक रहा है।' वहीं पास में खड़ा दूसरा वृक्ष मुस्कराया। उसने कहा –'मित्र अपने सोचने का ढंग बदलो। यह कहो कि जब हरा था, तो भी लोगों की सेवा करता रहा, और अब सूख गया हूँ तो भी जलावन के रूप में उनके काम आऊंगा। तुम्हारे सेवा–समर्पण का यह व्रत अन्त तक निभता रहे, यही क्या कम सौभाग्य की बात है। मित्रों! जीवन में सफलता का मूल ही सेवा और सकारात्मक चिंतन है।

सेवक प्रशान्त भैया

सत्य और सदाचार सदैव पूजित

जो लोग सत्कर्म, सदाचार और विवेक की संगति में रहते हैं, उन्हें सुख-शांति अनायास प्राप्त हो जाती है। विवेक का दीपक बुझने पर आचार दृष्टि से ओझल हो जाता है। सत्य सर्वोपरि गुण है। वह हर क्षेत्र में सम्मान पाता है।

सदाचार मानव जीवन की अमूल्य निधि है। सद्गुणों पर अवलम्बित जीवन मानवता को श्रेष्ठता प्रदान करता है। धन तो आता–जाता रहता है। निर्धन को धनवान और धनवान को निर्धन बनते देखा है। इसे समय का फेर कहें या कर्मफल। धन से रहित हो जाने पर भी यदि मनुष्य में सदाचार है, तो वह समाज में प्रतिष्ठित ही रहेगा। सद् आचरण अर्थात सत्कर्म जो व्यक्ति की स्थायी कीर्ति है। इसलिए दीन–दुखियों, पीड़ितों और जरूरतमंदों की सेवा अपेक्षित है। सेवा धन से ही नहीं तन और मन से भी होती है। पीड़ित की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। नारद पुराण में वर्णित है कि आचार से धर्म प्रकट होता है और धर्म के स्वामी विष्णु हैं। अतः जो अपने आचार में संलग्न हैं, उनके द्वारा प्रभु सर्वदा पूजित होते हैं। वेदव्यास रचयित महाभारत में भी यही संकेत है कि जहां सत्य अर्थात सदाचार है, वहीं धर्म है और धर्म की सदैव विजय होती है।

इब्राहिम गार्दी मराठा तोपखाने के सेनापति थे। एक बार युद्धभूमि में उनके शिविर में एक सैनिक आया और उन्हें सलाम कर बोला– 'हुजूर! मैं बादशाह अहमदशाह अब्दाली का दूत हूँ। उनकी ओर से आपके लिए उनका एक संदेश है। यदि आप युद्ध में उनका सहयोग करेंगे तो आप न सिर्फ अपने मजहब का भला करेंगे बल्कि ऊंचे पद और अपार धन–दौलत के भी मालिक होंगे। फिलहाल उनकी ओर से यह भेट कबूल करें।' यह कहते हुए उसने अशर्फियों से भरी एक थैली गार्दी के कदमों में रख दी। गार्दी यह सुनते ही क्रोध से तमतमा कर बोले –'यदि तुम दूत न होते तो, यहीं तुम्हारा सिर धड़ से अलग कर देता। तुम मुल्क के ही नहीं, अपने धर्म के भी दुश्मन हो। मुझे एक विदेशी लुटेरे का साथ देने की सलाह दे रहे हो, जो हजारों निर्दोष लोगों की हत्या का दोषी है।' गार्दी म्यान से तलवार निकालते हुए बाले –'उठा ये अशर्फियां और यह तलवार तुझ पर बिजली बन कर कौंधे उससे पहले ही यहां से दफा हो जा।'

बंधुओं! सदाचार सर्वोपरि गुण है। वह हर क्षेत्र में सम्मान पाता है, जब कि बेईमान एक न एक दिन अपने सर्वनाश को आमंत्रण देता है। इब्राहिम गार्दी–इतिहास में अपनी देश भक्ति और स्वाभिमान के लिए प्रतिष्ठित हैं तो आक्रांता और लुटेरे अहमदशाह अब्दाली और उसका वह सैनिक घृणा का पात्र है। राष्ट्र की स्वतंत्रता और उन्नति ऐसे देशभक्तों पर ही टिकी होती है, जो देश पर अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तत्पर रहते हैं। उनका सदाचार और बलिदान उन्हें अमर बना देता है।

पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

दिव्यांगता को मात देकर नेहा की नई उड़ान

महाराष्ट्र के वाशिम जिले के रिसोड तहसील के देऊलगांव बंडा गाँव की 15 वर्षीय नेहा गोडघासे, पिता अनिल गोडघासे की बेटी, बचपन से सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित थी। इस वजह से उसके दाहिने पैर में गंभीर विकृति आ गई थी, जिससे चलना–फिरना लगभग असंभव हो गया था। परिवार ने कई जगह इलाज करवाया, लेकिन कोई राहत नहीं मिली।उम्मीद की किरण तब जगी जब नेहा के परिवार को नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के निःशुल्क पोलियो सुधारात्मक सर्जरी कार्यक्रम की जानकारी मिली। नेहा को संस्थान लाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए इलिजारोव फ्रेम सर्जरी सहित कई चरणों में उपचार शुरू किया।3 जनवरी से 20 जनवरी 2025 तक नेहा के पैर की ड्रेसिंग और टांके हटाने की प्रक्रिया चली। 17 फरवरी को लेफ्ट फीमर फ्रेम जोड़कर घुटने की लंबाई सुधारने की लेंथनिंग प्रक्रिया की गई। मार्च से मई तक फ्रेम की लगातार एडजस्टमेंट और ड्रेसिंग जारी रही। 22 अप्रैल को फीमर रिंग हटाकर घुटने की मूवमेंट शुरू हुई। 25 अगस्त को इलिजारोव फ्रेम हटाकर AK POP स्लैब लगाया गया और 28 अगस्त को फाइबर कास्ट लगाया गया।आखरिकार, 3 अक्टूबर 2025 को कास्ट हटाया गया, और नेहा ने लंबे समय बाद अपने पैरों पर खड़ा होना शुरू किया। 1 से 8 अक्टूबर तक नेहा संस्थान में भर्ती रही, जहाँ डॉक्टरों और फिजियोथैरेपी टीम ने उसका विशेष ध्यान रखा। उपचार के बाद नेहा के दाहिने पैर के लिए कैलिपर लगाया गया, जिससे वह अब आत्मविश्वास के साथ चलने लगी है। पहले जहाँ नेहा के चेहरे पर दर्द और असहायता झलकती थी, आज उसकी मुस्कान और सीधी चाल उसकी नई जिंदगी की कहानी बयान करती है। नारायण सेवा संस्थान ने नेहा के शरीर को संबल देने के साथ–साथ उसके मन में भी आत्मविश्वास और उम्मीद की नई ज्योति प्रज्वलित की है। नेहा की यह यात्रा साहस, धैर्य और नई शुरुआत की प्रेरक मिसाल बन गई है।

दूर हुई विकृति, चेहरे पर आई मुस्कान

उदयपुर जिले की कोटड़ा तहसील के देवला गांव का 6 वर्षीय शम्भुलाल जन्म से स्वस्थ था। जैसे ही वह तीन साल का हुआ, उसके दोनों पैरों के पंजे मुड़ने लगे। धीरे–धीरे यह विकृति इतनी बढ़ी कि खड़ा होना और चलना लगभग असंभव हो गया। माता–पिता दिन–रात दुखी रहते कि उनका बेटा अन्य बच्चों की तरह दौड़–भाग नहीं कर पा रहा। पिता मानाराम गुजरात के वापी शहर में मजदूरी कर जैसे–तैसे 7 सदस्यीय परिवार का भरण–पोषण कर रहे थे। लेकिन बेटे की दिव्यांगता उन्हें भीतर से तोड़ रही थी। इस कठिन समय में सलूम्बर के डॉक्टर ने उन्हें उदयपुर के नारायण सेवा संस्थान, जाने की सलाह दी। अप्रैल 2025 में पहली बार वे संस्थान पहुंचे, जहाँ डॉक्टरों ने गहन जांच के बाद निःशुल्क इलाज शुरू किया।

यह इलाज आसान नहीं था – मई से जुलाई 2025 तक कई ऑपरेशन हुए।
1 मई से 10 मई तक दायें पैर की सर्जरी और पीएमआर ड्रेन रिमूवल हुआ। इसके बाद 11 जून से 25 जून तक बायें पैर पर लगातार तीन ऑपरेशन किए गए। 26 जुलाई से 30 जुलाई तक दोनों पैरों पर प्लास्टर चढ़ाया गया। इन सर्जरियों के बाद धीरे–धीरे सुधार दिखने लगा।

अगस्त 2025 में जब प्लास्टर खोला गया और शम्भुलाल को कैलिपर पहनाए गए, तो वह पहली बार खड़ा हो पाया। उस क्षण उसकी मुस्कान देखकर माता–पिता की आँखों से खुशी के आँसू छलक पड़े। अब वह न केवल खड़ा हो रहा है बल्कि खेल भी रहा है, दौड़ रहा है और स्कूल जाने की तैयारी में है।

माता-पिता गर्व से कहते हैं - संस्थान की निःस्वार्थ सेवा और दानदाता भामाशाहों के सहयोग से शम्भुलाल का जीवन पटरी पर लौट आया है। अब वह भी अपने सपनों को उड़ान दे सकेगा।

अजय बना प्रेरणा का प्रतिक

अजय परमार उदयपुर जिले की खेरवाड़ा तहसील के गांव कुलेरी के निवासी हैं। ये पिछले कुछ वर्षों से पालनपुर (गुजरात) की एक ऑयल मिल में काम कर रहे थे। पत्नी गीता और सात वर्ष के बेटे आर्यन के साथ गृहस्थी खुशी से झूम रही थी कि वर्ष 2022 में अचानक हुए एक हादसे ने तिनका–तिनका बिखेर दिया।

ऑयल मिल में एक दिन चलती मशीन में खली (पशु आहार) में तेल की नयी की जांच करते फर्श पर फिसल गए। मशीन ने इनके बाएं पांव को खींच लिया। परिणाम स्वरूप पांव नाकाम हो गया। उपचार के दौरान जिन्दगी बचाने की खातिर पांव को कूल्हे से अलग करना पड़ा। करीब तीन माह तक अस्पताल में रहना पड़ा। उपचार व्यय का पुनर्भरण तो ऑयल मिल ने किया लेकिन उसके बाद इन्हे आजीविका से हाथ धोना पड़ा और कोई आर्थिक मदद भी नहीं मिल पाई। पिछले तीन वर्ष से ये बेरोजगार हैं, बैसाखी के सहारे ही कदम बढ़ा पाते हैं। माता–पिता सहित परिवार दो–ढाई बीघा पुश्तैनी भूमि में खेती से जो मिल जाए उसी पर निर्भर है। जब अपनी खेती में काम नहीं होता तब अन्यत्र मजदूरी पर जाना इनकी मजबूरी है।

नारायण सेवा संस्थान द्वारा निःशुल्क कृत्रिम हाथ–पैर उपलब्ध करवाने की जानकारी पर अगस्त में अजय उदयपुर आए जहां ऑर्थोटिस्ट – प्रोस्थोटिस्ट विशेषज्ञ डॉ. मानस रंजन साहू के निर्देशन में इनके लिए विशेष कृत्रिम पैर बनाया गया। कुल्हे तक उसकी फिटिंग इस तरह की गई कि शरीर का मूवमेंट भी प्रभावित न हो और यह आसानी से चल भी सकें। डॉ. साहू ने कुछ दिन इन्हें संस्थान में ही रखकर कृत्रिम पांव के रखरखाव व चलने, उठने–बैठने आदि का अभ्यास भी करवाया। अजय कहते हैं कि–अब उन्हे आगे का रास्ता तय करने और गृहस्थी का संबल बनने की उम्मीद साफ दिखाई दे रही है। जीवन को फिर से गतिमान बनाने के लिए मैं संस्थान के दानवीर सहयोगियों और चिकित्सकों का बहुत आभारी हूँ।

श्रद्धा और संवेदना का अनूठा संगम

संस्थान में नवरात्र दुर्गाष्टमी पर 30 सितंबर को करुणामयी मां महागौरी सहित देवी दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों का विधि विधान से पूजन किया गया। लियों का गुड़ा स्थित सेवा महातीर्थ परिसर में मुख्य अतिथि बडगांव उपखण्ड की एसडीएम लतिका जी पालीवाल, विशिष्ट अतिथि उनकी माताश्री विजयलक्ष्मी जी, संस्थान संस्थापक परम् पूज्य कैलाश जी 'मानव' व निदेशक वंदना जी अग्रवाल व साधकों ने 101 दिव्यांग कन्याओं का पूजनकर माता से उनके सुखद भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि ने कहा कि नवरात्र आत्मचिंतन, परोपकार और प्रकृति से एकाकार होने का पावन अवसर है। उन्होंने दिव्यांगजन की चिकित्सा, शिक्षण–प्रशिक्षण और पुनर्वास के क्षेत्र में संस्थान की सेवाओं को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने पूजित कन्याओं को हलवा, पूड़ी, खीर और काले चने का नैवेद्य और उपहार भेंट किए।

प्रारंभ में मानव जी व वंदना जी ने अतिथियों का शॉल, उपरणा और प्रतीक चिह्न प्रदान कर स्वागत किया। पूजित सभी कन्याओं की नवरात्रि में दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी संस्थान में निःशुल्क सम्पन्न हुई। राकेश शर्मा, विष्णु शर्मा हितैषी, अनिल आचार्य, कुलदीप सिंह शेखावत, भगवान प्रसाद गौड़, डॉ. मानस रंजन साहू, डॉ. विशाल, विष्णु रावत, दिलीप चौहान व अर्चना गोलवलकर भी मौजूद रहे। संचालन महिम जैन ने किया।

टूटे सपने जुड़े , लौटा आत्मविश्वास

हादसों-दुर्घटनाओं से जब अनायास कोई जिंदगी थम जाती है, तो उसके सामने भविष्य के कई प्रश्न खड़े होते हैं और वह अनिश्चितताओं में घिर जाता है। उसे ऐसे सम्बल की जरूरत होती है जो उसके खोए हुए आत्मविश्वास को लौटाकर उसे फिर से आगे बढ़ने का हौसला दे सके। इसी ध्येय को लेकर आपका अपना नारायण सेवा संस्थान पिछले 40 वर्ष से दिव्यांगजन की नि:शुल्क सेवा-चिकित्सा में सक्रिय है। पिछले दिनों इन्दौर व मेरठ में सम्पन्न नि:शुल्क नारायण लिम्ब फिटमेंट कैम्प में 463 उन दिव्यांग भाई-बहिन को कृत्रिम हाथ-पैर लगाए गए जो आकस्मिक दुर्घटनाओं के कारण उनसे वंचित होकर जीवन को भार समझ निराश थे।

इन्दौर – गुरु अमरदास बैंक्वेट हॉल में 7 सितम्बर को सम्पन्न कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 240 दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। यह केवल एक सहायता शिविर ही नहीं था बल्कि असंख्य टूटे सपनों और ठहरी हुई जिन्दगी के फिर से साकार और गतिमान होने का उल्लास पर्व था। शिविर के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश जी विजयवर्गीय थे। अध्यक्षता जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी जी सिलावट ने की। विशिष्ट अतिथि आचार्य श्री राजेश मुनि जी महाराज, समाजसेवी श्री पारसमल जी कटारिया व अनिल जी भंडारी थे। निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत व संस्थान की चालीस वर्षीय सेवा यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग या चिकित्सा देना ही नहीं अपितु उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करना है। निदेशक पलक जी अग्रवाल ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि इसी शहर में मई में कैंप लगाकर कृत्रिम अंग पाने के इच्छुक भाई–बहिनों के कटे अंगों का माप लिया गया था। उनके माप के मुताबिक जर्मन तकनीक के तैयार कृत्रिम अंग ठहरी जिन्दगी को पुनः सक्रिय करने वाली एक चाबी हैं। संचालन जितेंद्र शर्मा ने किया।

मेरठ – रोटरी क्लब शिवम् के सहयोग से मेरठ में 21 सितम्बर को सम्पन्न शिविर में 223 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। यहां 22 जून को माप शिविर सम्पन्न हुआ था। शिविर के मुख्य अतिथि आईआईएमटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री योगेश मोहन गुप्ता थे। उन्होंने कहा कि यह दिव्यांगजन ही नहीं बल्कि उनके परिवारों को फिर से खड़े होने की ताकत देने वाला सबसे सुन्दर क्षण है। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद श्री राजेन्द्र जी अग्रवाल, समाजसेवी वीरेन्द्र कुमार जी शर्मा, श्री जय भगवान जी, श्री नीरज जी मित्तल, श्री संजीव जी रस्तोगी, श्री हरि जी गुप्ता सहित रोटरी क्लब शिवम् के श्री अजय जी अग्रवाल, श्री करण जी सेठी और श्री चिराग जी गुप्ता भी मंचासीन थे। संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़ एवं रोटरी क्लब शिवम् के प्रोजेक्ट चेयरमैन श्री प्रतीक जी जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष तनु जी अग्रवाल, सचिव रश्मि जी अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सौरभ जी अरोड़ा, अभिनव जी अग्रवाल, अमित जी अग्रवाल, वर्षा जी जैन ने भी विचार व्यक्त किए। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा थे। संचालन ऐश्वर्य त्रिवेदी तथा आभार ज्ञापन स्थानीय आश्रम प्रभारी धर्मश जी गर्ग ने किया।

जीवन वही सार्थक जो दूसरों के काम आए

नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया के सानिध्य में सेवा महातीर्थ परिसर में पांच दिवसीय 'अपनों से अपनी बात' वार्ता कार्यक्रम का 6 सितंबर को समापन हुआ। इसमें देशभर से निःशुल्क चिकित्सा के लिए आए दिव्यांगजन तथा उनके परिजनों ने भाग लिया।

इस दौरान दिव्यांगजनों ने अपने संघर्ष और नारायण सेवा संस्थान से प्राप्त सहयोग से जीवन को सुगम बनाने के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि संस्थान की सहायता से वे न केवल शारीरिक रूप से सक्षम बने, बल्कि आत्मनिर्भर जीवन की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी हुए। अब उन्हें जीवन में नई आशाएं और खुशियाँ प्राप्त हुई हैं।

प्रशांत भैया ने दिव्यांगजन एवं उनके परिजनों से कहा कि हर व्यक्ति कर्म के लिए स्वतंत्र है। उसे किस प्रकार का कार्य करना है,यह वह सुनिश्चित करे। जीवन का उद्देश्य केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए भी होना चाहिए। दुर्घटना में अपंग व्यक्तियों को उन्नत तकनीकों से लाभान्वित करने के लिए संस्थान निरंतर प्रयासरत है और लक्ष्य यह है कि दिव्यांगजन को सशक्त बनाने में कोई कमी न रहे। आवश्यक उपकरण, प्रशिक्षण और सहयोग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही संस्थान की प्राथमिकता है।

बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचे मदद के हाथ

पंजाब में अगस्त माह में भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए संस्थान की टीम तत्परता से उन तक पहुंची और राहत पहुंचाई। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरुदेव जी व अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया के निर्देशन पर राहत टीम ने डॉ. विवेक गर्ग के नेतृत्व में विकट हालातों में राहत कार्यों को अंजाम दिया। राहत सामग्री से भरे ट्रक को संस्थान के कैथल (हरियाणा) सेवा केंद्र पर हरी झंडी दिखाकर श्रीमती दया गुप्ता ने रवाना किया। जिसमें आवश्यक भोजन के पैकेट, अन्न, वस्त्र, दवाएं और अन्य राहत सामग्री थी।

टीम ने पाकिस्तान बॉर्डर से सटे अजनाला, मलिकपुर, कोटर जादा, सुफियान, अलीवाल कोटली गांवों में जाकर 1000 पैकेट ब्रेड, 1200 बोतल बिसलरी पानी, 2 क्विंटल चना, 1000 पैकेट पाउडर दूध, 1050 नमकीन पैकेट, 1000 मीठे बिस्कुट, 1000 नमकीन बिस्किट वितरित किए। साथ ही सैकड़ों की संख्या में तिरपाल, मौसमी बीमारियों की दवाएं, एंटीसेप्टिक क्रीम तथा सेनेटरी पैड भी जरूरतमंदों को दिए गए। टीम ने न केवल जरूरतमंदों की मदद की, बल्कि बाढ़ से त्रस्त गाँवों का दौरा कर उनकी समस्याओं का जायजा लेकर उनके निस्तारण में योगदान दिया। टीम को स्थानीय लोगों एवं प्रशासन का भी भरपूर सहयोग मिला।

एनसीए में गुरुजन सम्मान

संस्थान की नारायण चिल्ड्रन एकेडमी में 5 सितंबर को प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन का जन्म दिवस 'शिक्षक दिवस' के रूप में उत्साह और उल्लास से मनाया गया। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने प्रधानाध्यापिका डॉ. अर्चना गोलवलकर सहित सभी शिक्षकों को सम्मान – पत्र और दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इस दिन विद्यालय का संचालन –प्रबंधन विद्यार्थियों ने किया। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि शिक्षक दिवस गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा व्यक्त करने का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि एक सच्चा गुरु विद्यार्थियों के जीवन को दिशा और उद्देश्य प्रदान करता है। प्रधानाध्यापिका ने आभार व्यक्त किया। गीत, नृत्य और कविताओं के माध्यम से छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति श्रद्धा एवं आभार प्रकट किया।

झीनी-झीनी रोशनी-78

इतने धनपति होने के बावजूद गांव में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था नहीं थी। अस्पताल की हालत बहुत खराब थी। धन तथा अच्छे ईलाज के अभाव में गांव के गरीब आये दिन मरते जाते थे। जिस दिन बोलियां लगी उस दिन भी गांव में दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। दोनों गरीब थे, बाहर जाकर चिकित्सा कराने की सामर्थ्य नहीं थी, गांव में उचित ईलाज उपलब्ध नहीं था। कैलाश जी ने जब यह सुना तो उन्हें बहुत दुःख हुआ। उनके मन में यही विचार आया कि मन्दिरों में लाखों खर्च करने की आपा–धापी हो रही है,अगर इसका एक अंश भी गांव में अच्छा अस्पताल बनाने में खर्च किया जाये तो पूरे गांव को राहत मिल सकती है। कैलाश जी ने कुछ सेठों से इस सम्बन्ध में बात भी की, दो मौतों का जिक्र भी किया मगर अस्पताल के नाम पर कोई पैसा खर्च करने को तैयार नहीं था। अजीब विडम्बना थी। भगवान पर पैसा लगाने के लिये आपस में ही लड़े जा रहे थे मगर उसी भगवान की कृति इन्सान की चिकित्सा की किसे भी फिक्र नहीं थी। कैलाश जी मन मसोसते लौट आये।

इसी तरह एक बार वह बीसलपुर नेत्र शिविर में भाग लेने गए थे। दूर–दूर से लोग आये थे। सभी के खाने–पीने वगैरह की व्यवस्था एक सेठ द्वारा प्रायोजित थी। लोगों को पंगत लगाकर बिठा दिया गया था और उन्हें भोजन परोसा जा रहा था। कैलाश जी को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि पंगतों में लोगों को जात–पांत के अनुसार बिठाया जा रहा था। कैलाश जी को यह भेदभाव बिल्कुल भी पसन्द नहीं आया, उन्होंने इसका जिक्र राजमल जी भाईसा से किया तो उन्होंने भी इसका विरोध किया। दोनों मिलकर सेठ के पास गये और कहा कि ये अलग–अलग पंगतें क्यूं लगी है। सभी लोगों को एक ही पंगत में क्यूं नहीं बिठाते, इससे परोसकारी करना भी आसान होगा। सेठ ने उनकी इस बात का जो जवाब दिया उससे उन्हें अत्यन्त ग्लानि हई। सेठ ने कहा कि गधे और घोड़े एक होते हैं? जिन लोगों की सेवा में राजमल जी ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था, उन लोगों के लिये इस तरह की बात सुनकर दुःख तो हुआ ही मगर सेठ की मानसिकता पर तरस भी आया।

राजमल जी ने सेठ की बात का जवाब देते हुए कहा कि गधों और घोड़ों में फर्क तो कोई छोटा सा बच्चा भी बता देगा मगर अलग–अलग जाति के तमाम लोगों को एक ही तरह के कपड़े पहनाकर खड़ा कर दो तो आप तो क्या कोई भी पहचान नहीं सकेगा कि कौन क्या है। दोनों ने मिलकर सेठ को बहुत समझाने की कोशिश की मगर वह आनाकानी ही करता रहा। उसे अपने धन का अहंकार था, वह कहने लगा कि मैं 3 लाख रू. लगा रहा हूं तो सारा कार्य मेरी इच्छा अनुसार ही होगा। सेठ की इस बात पर राजमल जी भाईसा जैसे विनम्र व्यक्ति को भी गुस्सा आ गया, उन्होंने साफ कह दिया कि हमें आपसे एक भी पैसे की जरूरत नहीं है। यहां पर कोई भी काम होगा तो तरीके से ही होगा, किसी की मनमर्जी नहीं चलेगी।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,
मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़
भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
मो. 09829769960
C/à नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा–311001
बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी
मो. 09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला, मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर
अलवर
श्री आर.एस. वर्मा
मो. 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर
जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,
मो. 09828242497
5–C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012
अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,
मो. 09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर
बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,
मो. 09829960811,
ए. 14, 'गिरधर–धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.–09113733141
ब्व पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग
रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़
धनबाद
श्री गोपाल कुमार खेडिया,
मो. 09608529923,
आजाद नगर भूलीनगर

मध्य प्रदेश

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 09752492233,
मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम
जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,
मो. 09926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी, माढ़ोताल, जिला – जबलपुर
भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136
ए–3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला – भोपाल
बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,
मो. 08989609714, बखतगढ,
त.–बदनावर, जि.–धार

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी,
मो. 09422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला
परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा
मो. 09422876343
नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,
मो. 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला – नांदेड़
पाचोरा
श्री सीताराम जी
मो. 09422775375
मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी
मो. 028847991, 9029643708,
10–बीध्बी, वाईसराय पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई
भायंदर
श्री कमलचंद लोढा,
मो. 8080083655 ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे–401101

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,
मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट–बिघरी, त. बदसर जिला हमीरपुर – 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट–रोपा, जिला–हमीरपुर–177001

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807
गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

.....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662
3 68–ए, नई अनाज मंडी, कैथल
जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878
108 अनाज मण्डी, जुलाना, जींद
पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो. 09991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर–14, पलवल
फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा
करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड करनाल 132001
अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.– 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट–133001
नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014 165–हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,
मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा–403601

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,
मो. 09274595349
म.नं.रू बी–77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074
विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला–बरेली
श्री विजय नारायण शुक्ला मो. 7060909449,
मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली
हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,
मो.–09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद
हापुड़
श्री मनोज कंसल
मो.–09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,
कबाड़ी बाजार,
हापुड़
गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.–08791269705 बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा–244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल
मो. 09425536801

.....

श्री देवनाथ साहू
मो. 09229429407
गांव– बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला–कोरबा
बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,
मो.–09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर
बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000
रामदेव चौक बालोद
जिला–बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,
मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52–सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु–180001

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा
मो. 08447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा
मो.0 9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
प्ट्ध1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई

मो. 09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु
ओस्वाल ओनिक्स, जैसल पार्क,
भायन्दर ईस्ट थाने, 401105

पूणे

मो. 09529920093
17ध्153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे–16

दिल्ली

रोहिणी

मो. 08588835718, 08588835719,
बी–4/232 शिव शक्ति मंदिर के
पास, सेक्टर–8
रोहिणी, दिल्ली–110085

जनकपुरी, नई दिल्ली

07023101156, 07023101167
सी2/287, 4 फ्लोर, जनकपुरी,
नई दिल्ली–110058

विकासपुरी, नई दिल्ली

मो. 09257017592
मकान नं. 342 ब्लॉक–सी, मद्रासी
मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

हरियाणा

गुरूग्राम

मो. 08306004802,
हाउस नं.–1936 जीए, गली नं.–10,
राजीव नगर ईस्ट, माता रोड, सी.
आर.पी.एफ. केम्प चौक,
गुरुग्राम – 122001

हिसार

मो. 9257017593, मकान न. 2249,
सेक्टर–14, हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू

मो. 09341200200,
नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम
फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी,
अपोजिट समना पार्क, एनआर
कॉलोनी, बसवानगुडी,
बेंगलुरु–560004

बिहार

पटना

मो. 7412060405
मकान नं.–23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना–13

उत्तर प्रदेश

मेरठ

मो. 08306004811
38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,
नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम, मेरठ

लखनऊ

मो. 09351230395,09351230393
फ्लेट नम्बर 202, गुरूकृपा अपार्टमेंट
न्यू श्रीनगर आलमबाग
लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

पंजाब

लुधियाना

मो. 07023101153
381/382, बी–17, गुलाटी डांस
क्लास के पास, भारत नगर,
लुधियाना 141001

चण्डीगढ़

मो. 07073452176, 08949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर – 46–सी, चंडीगढ़–160047

वेस्ट बंगाल

कोलकाता

09529920097, मकान नं.– 216,
बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक–बी, ग्राउण्ड
फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
पिन कोड–700055

गुजरात

सूरत

मो. 09529920082
27, सम्राट टाऊनशिप, सम्राट स्कूल
के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा

मो. 09529920081
म. नं.रू 1298, वैकुंठ समाज, श्री
अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड,
वडोदरा –390019

अहमदाबाद

मो. 09529920080, 08306008208
7/ए कपील कुंज सोसायटी विजय
नगर के पास, मेट्रो स्टेशन नारंगपुरा,
अहमदाबाद (गुजरात) 380016

राजस्थान

जोधपुर

मो. 08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर
(राज) 342001

कोटा

मो. 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.
2–वी–5 तलवंडी,
कोटा (राज.) 324005

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस

मो. 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा

मो. 07073474438
मकान नं. 212ध्53, राधानगर, भारत
पेट्रोलियम अधिकारी आवास
बिल्डिग, मथुरा (उ.प्र.)

अलीगढ़

मो. 07023101169
एम.आई.जी. –48 विकास नगर,
आगरा रोड़, अलीगढ़

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद

मो. 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क
फिजियोथेरपी सेंटर, बी.–350 न्यू
पंचवटी कॉलोनी,
गाजियाबाद – 201009

लोनी

मो. 07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम
मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा

मो. 07023101174
मकान न. 8/153, ई–3, न्यू लॉयर
कॉलोनी, पानी की टंकी के पीछे,
आगरा (उत्तर प्रदेश)

छत्तीसगढ़

रायपुर

मो. 07869916950
मीरा जी राव, म.नं.–29/500 टीवी
टावर रोड, गली नं.–2, फेस–2
श्रीरामनगर, पो.–शंकरनगर
रायपुर, (छ.ग.)

गुजरात

राजकोट

मो. 09529920083
बी–33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको
टावर के सामने, यूनिर्वसिटी रोड,
राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून

मो. 07023101175
साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी
ग्रांट, शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

दिल्ली

फतेहपुरी

मो. 08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल
के पास, फतेहपुरी, दिल्ली–6

शाहदरा

बी–85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी
चौक, शाहदरा

मध्य प्रदेश

इन्दौर

मो. 09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना
रोड, इंदौर–452018

हरियाणा

अम्बाला

मो. 07023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड
कोलोनी अरबन स्टेट के पास,
सेक्टर–7 अम्बाला

कैथल

मो. 08696002432,7023101166
फ्रेंड कॉलोनी, गली नम्बर 3 करनाल
रोड़, हनुमान वाटिका के पास
कैथल (हरियाणा)

राजस्थान

जयपुर

मो. 09529920089
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी
हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर
बी–50–51 सनराईज सिटी, मोक्ष
मार्ग, निवारू झोटवाड़ा, जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद

मो. 09573938038
लीलावती भवन, 4–7–122ध्123
इसामिया बाजार, कोठी, संतोषी माता
मंदिर के पास, हैदराबाद –500027

अपने परिचितों, परिजनों अथवा स्वयं के जन्मोत्सव, वैवाहिक वर्षगांठ के साथ पुण्यात्माओं की पुण्यतिथि को बनाएं यादगार...

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

दो जून की रोटी के लिए बेबस निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजनध्नाश्ता सहयोग मित्ति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त अंगविहीन एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
कृत्रिम अंग (हाथ-पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.

आशा की नई उड़ान रखने वाले दिव्यांगजनों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों के सपनों को करें साकार

1 एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
5 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	55,000/-
20 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	2,20,000/-

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

पुराने रोगों में राहत

हरियाणा की खरोठ तहसील के ग्राम पलानपुर निवासी श्री प्यारेलाल सिंह (62) ऑस्टियोआर्थराइटिस (घुटनों के जोड़े में दर्द) से पिछले कुछ वर्षों से काफी दुखी थे। दर्द की वजह से उनका चलना -फिरना भी कम हो रहा था। कब्ज और कमजोरी ने भी उन्हें चपेट में ले लिया था। काफी समय तक चिकित्सकों की सलाह पर बदल-बदल कर दवाइयां ली। जिनसे कुछ समय आराम तो मिलता किन्तु फिर दर्द शुरू हो जाता। अन्ततः 10 अगस्त 2025 को उन्होंने उदयपुर आकर नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय में इलाज शुरू किया। भारतीय चिकित्सा पद्धति पर आधारित इस चिकित्सालय में 10 दिन की नेचुरोपैथी से घुटनों में 80 प्रतिशत दर्द कम हुआ और कब्ज की शिकायत तो पूरी तरह खत्म हो गई। अब उन्हें भूख भी लगती है, पाचन क्रिया भी ठीक है और कमजोरी दूर होने से चलने-फिरने की गति भी बढ़ गई है।

'दिन-ब-दिन मोटापा बढ़ रहा था। अस्थमा, माइग्रेन, एलर्जिक राइनाइटिस की समस्याओं से बेहाल थी। कई अस्पतालों के मुताबिक लंबा उपचार भी चला लेकिन दिन का चैन और रातों की नींद पिछले कुछ साल से नसीब ही नहीं हो पाई। बैठे-बैठे रात गुजारनी पड़ती। सर्दियों में तो अस्थमा इस कदर परेशान करता जैसे प्राण छूटने ही वाले हैं। फेफड़ों में दर्द से खांसना भी बड़ा तकलीफदेह था।' यह कहना है जोधपुर के महादेव नगर की रहने वाली श्रीमती राजलक्ष्मी जी सोनी (63) का। अगस्त माह में किसी अपने की सलाह पर संस्थान के प्राकृतिक चिकित्सालय में आईं और 10 दिन तक उपचार लिया। परिणाम सकारात्मक रहना ही था। यहां उनका वजन 3 किलो कम हुआ, माइग्रेन से पूरी तरह निजात मिली। बिना इन्हेलर के भी वे अब आराम से सांस ले पाती हैं। रात में पर्याप्त नींद लेती हैं। चिकित्सकों ने उन्हें आहार-विहार में कुछ परामर्श दिया है। जिसकी पालना से उन्हें स्थाई राहत मिल सकेगी।

+91-294-6622222
www.narayanseva.org

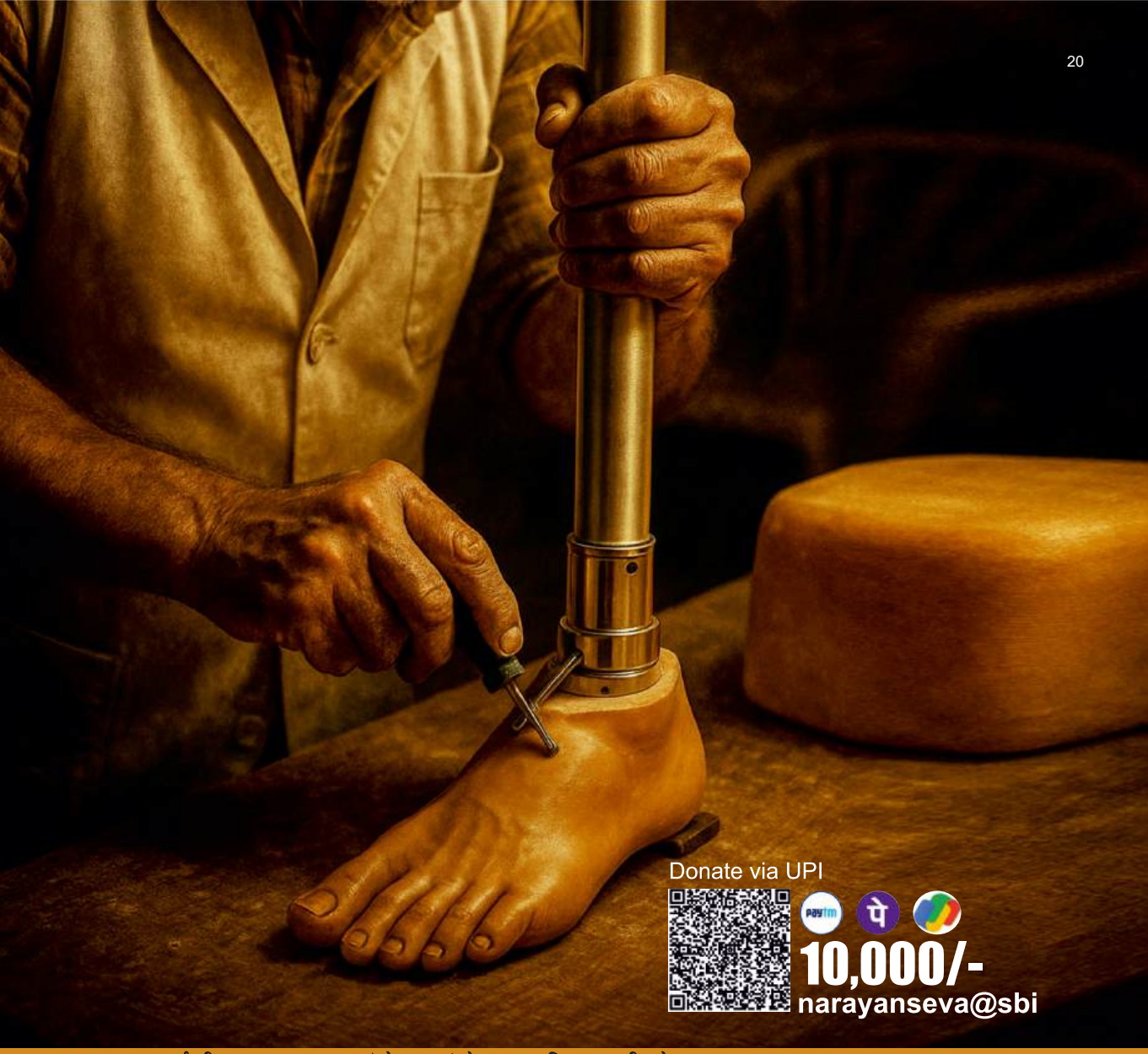

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

Seva Soubhagya Print Date 1 November, 2025 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur -313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages-20 (No. of copies printed 1,50,000) cost-Rs.5/-